MoU B/W NIPER Raebareli and AIIMS Raebareli (August 7, 2023)

हिंदुस्तान, रायबरेली संस्करण

अनुसंधान के लिए नाईपर-एम्स के बीच में एमओयू

एम्स में सोमवार को कार्यक्रम में मौजूद अधिकारी।

करार

रायबरेली। राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाइपर) और एम्स के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। नाईपर और एम्स मिलकर साझा अनुसंधान, छात्रों-फैक्ल्टी के आदान-प्रदान के साथ ही संयुक्त सम्मेलन, कार्यशाला, सेमिनार और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कराएंगे।

एमओयू पर नाइपर की निदेशक प्रो. शुभिनी ए. शराफ और एम्स के निदेशक प्रो. अरविंद राजवंशी ने एम्स के कैंपस में हस्ताक्षर किए। दोनों संस्थानों ने औषधीय रिसर्च के निष्कर्षों को उद्योग जगत तक भी पहुंचाने का लक्ष्य रखा है ताकि भविष्य में आम लोगों को भी रिसर्च का लाभ मिल सके। इस एमओयू से छात्रों की अकादमिक और अनुसंधान के आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर तक पहुंच आसान बनेगी। प्रो. शुभिनी ए. शराफ ने कहा कि हमारे अनुसंधान कार्यक्रमों का विस्तार हो रहा है।

Hindustan Times, Lucknow Edition

NIPER, AIIMS sign MoU

LUCKNOW: A memorandum of understanding (MoU) was signed on Monday between National Institute of Pharmaceutical Education and Research, Rae Bareli (NIPER-Raebareli) and AIIMS, Raebareli to jointly carry out research programmes, student-faculty exchanges and organise conferences/workshops/ seminars and training programmes.

दैनिक जागरण, रायबरेली संस्करण

अब एम्स और नाइपर साथ मिलकर करेंगे अनुसंधान

एम्स कैंपस में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के लिए आए नाइपर के अधिकारियों के साथ एम्स के निदेशक प्रो. अरविंद राजवंशी व अन्य

संवादसूत्र, एम्स (रायबरेली) : राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाइपर) और एम्स के बीच साथ मिलकर अनुसंधान करने के लिए सोमवार को समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए गए। आने वाले दिनों में दोनों संस्थान मिलकर संयुक्त सम्मेलन, कार्यशाला, सेमिनार और प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित कराएंगे।

नाइपर की निदेशक प्रोफेसर शुभिनी ए. शराफ और एम्स के निदेशक प्रो. अरविंद राजवंशी ने एम्स के कैंपस में समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए।

दोनों संस्थानों ने औषधीय रिसर्च के निष्कर्षों को उद्योग जगत तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है, ताकि भविष्य में आम लोगों को भी रिसर्च का लाभ मिल सके। इस एमओयू से छात्रों की अकादमिक और अनुसंधान के आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर तक पहुंच आसान होगी। प्रो. शुभिनी ए. शराफ ने कहा कि हमारे अनुसंधान कार्यक्रमों का विस्तार हो रहा है। हम समयबद्ध तरीके से तीस परिणामों के लिए अग्रणी शोध पर ध्यान केंद्रित करेंगे। प्रो. अरविंद राजवंशी ने कहा कि हम रिसर्च के लिए मिलकर काम करने के लिए तैयार हैं। समझौता ज्ञापन साझेदारी को मजबूत करेगा और सहयोग के लिए नए रास्ते भी बनाएगा। एमओयू के तहत नाइपर और एम्स रिसर्च और शैक्षिक कार्यक्रमों, शिक्षण सामग्री और उनके शैक्षिक और अनुसंधान कार्यक्रमों से संबंधित जानकारी का आदान-प्रदान करने पर भी सहमत हुए हैं।

नाइपर रायबरेली औषधीय विभाग, रसायन और उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में राष्ट्रीय महत्व का संस्थान है। वर्तमान में संस्थान सरोजनी नगर, लखनऊ (यूपी) स्थित अपने ट्रांजिट कैंपस से शिक्षा प्रदान कर रहा है। नाइपर फार्मेसी के क्षेत्र में अत्याधुनिक उपकरणों और प्रयोगशालाओं के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है। हाल ही में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए नाइपर ने देश में फार्मेसी श्रेणी में नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआइआरएफ) 2023 में 14वां स्थान हासिल किया है।

अमर उजाला, रायबरेली संस्करण

एम्स व नाइपर में करार, उद्योगों तक पहुंचाएंगे औषधि की रिसर्च

संवाद न्यूज एजेंसी

रायबरेली। राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाइपर) और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने सोमवार को समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। समझौते के तहत दोनों संस्थान मिलकर साझा अनुसंधान, छात्रों-फैक्टी का आदान-प्रदान व संयुक्त सम्मेलन/ कार्यशाला/ सेमिनार और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कराएंगे।

सोमवार को एम्स के सभागार में एमओयू पर नाइपर की निदेशक प्रो. शुभिनी ए. शराफ और एम्स के निदेशक प्रो. अरविंद राजवंशी ने हस्ताक्षर किए। दोनों संस्थानों ने औषधीय रिसर्च के निष्कर्षों को उद्योग जगत तक भी पहुंचाने का लक्ष्य रखा है, जिससे भविष्य में आम लोगों को भी रिसर्च का लाभ मिल सके। इस एमओयू से छात्रों की अकादमिक और अनुसंधान के आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर तक पहुंच आसान बनेगी।

नाइपर की निदेशक ने कहा कि उनके अनुसंधान कार्यक्रमों का विस्तार हो रहा है। हम समयबद्ध तरीके से तीस परिणामों के लिए अग्रणी शोध पर ध्यान केंद्रित करेंगे। एम्स निदेशक ने कहा कि हम रिसर्च के लिए मिलकर काम करने के लिए तैयार हैं। एमओयू साझेदारी को मजबूत करेगा और सहयोग के लिए नए रास्ते भी बनाएगा।

एम्स सभागार में दोनों संस्थानों के निदेशकों ने एमओयू पर किए हस्ताक्षर

संस्थान मिलकर साझा करेंगे अनुसंधान, आदान-प्रदान और सेमिनार

एम्स में एमओयू पर हस्ताक्षर के बाद एम्स निदेशक प्रो. अरविंद राजवंशी व नाईपर निदेशक प्रो. शुभिनी ए. शराफ व अन्य। नगर

अमृत विचार, लखनऊ डाक संस्करण

अनुसंधान के लिए नाईपर और एम्स के बीच समझौता

संवाददाता ,रायबरेली

बैठक में मौजूद नाईपर और एम्स का डेलीगेट्स। अमृत विचार

अमृत विचार। राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर) और एम्स के बीच सोमवार को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। नाईपर और एम्स मिलकर साझा अनुसंधान, छात्रों-फैक्ल्टी का आदान-प्रदान तथा संयुक्त सम्मेलन, कार्यशाला व सेमिनार और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कराएंगे। इस एमओयू पर प्रोफेसर शुभिनी ए. शराफ निदेशक नाईपर और प्रोफेसर अरविंद राजवंशी, कार्यकारी निदेशक, एम्स ने एम्स के कैंपस में हस्ताक्षर किए।

दोनों संस्थानों ने औषधीय रिसर्च के निष्कर्षों को उद्योग जगत तक भी पहुंचाने का लक्ष्य रखा है, ताकि भविष्य में आम लोगों को भी रिसर्च का लाभ मिल सके। इस एमओयू से छात्रों की अकादमिक और अनुसंधान के आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर तक पहुंच आसान बनेगी। प्रोफेसर अरविंद राजवंशी ने कहा कि हम रिसर्च के लिए मिलकर काम करने के लिए तैयार हैं। एमओयू साझेदारी को मजबूत करेगा और सहयोग के लिए नए रास्ते भी बनाएगा।

एमओयू के तहत, नाईपर और एम्स रिसर्च और शैक्षिक कार्यक्रमों, शिक्षण सामग्री और उनके शैक्षिक और अनुसंधान कार्यक्रमों से संबंधित जानकारी का आदान-प्रदान करने पर भी सहमत हुए हैं। नाईपर औषधीय विभाग, रसायन और उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में राष्ट्रीय महत्व का संस्थान है।

नाईपर फार्मेसी के क्षेत्र में अत्याधुनिक उपकरणों और प्रयोगशालाओं के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है। हाल ही में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए नाईपर, रायबरेली ने देश में फार्मेसी श्रेणी में नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में 14वां स्थान हासिल किया है।

अवधनामा, लखनऊ संस्करण

अनुसंधान के लिए नाईपर-रायबरेली और एम्स, रायबरेली के बीच समझौता ज्ञापन

रायबरेली अवधनामा संवाददाता। राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, रायबरेली (नाईपर-रायबरेली) और एम्स, रायबरेली के बीच 07-08-2023 को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। नाईपर-रायबरेली और एम्स-रायबरेली मिलकर साझा अनुसंधान, छात्रों-फैक्ल्टी का आदान-प्रदान तथा संयुक्त सम्मेलन/कार्यशाला/सेमिनार और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कराएंगे। इस एमओयू पर प्रोफेसर शुभिनी ए. शराफ, निदेशक, नाईपर-रायबरेली और प्रोफेसर अरविंद राजवंशी, कार्यकारी निदेशक, एम्स-रायबरेली ने एम्स के कैंपस में हस्ताक्षर किए। दोनों संस्थानों ने औषधीय रिसर्च के निष्कर्षों को उद्योग जगत तक भी पहुंचाने का लक्ष्य रखा है, ताकि भविष्य में आम लोगों को भी रिसर्च का लाभ मिल सके। इस एमओयू से छात्रों की अकादमिक और अनुसंधान के आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर तक पहुंच आसान बनेगी।

स्वतंत्र भारत, लखनऊ संस्करण

अनुसंधान के लिए नाईपर और एम्स के बीच हुआ समझौता

स्वतंत्र भारत संवाददाता, रायबरेली। राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर) और एम्स के बीच सोमवार को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। नाईपर और एम्स मिलकर साझा अनुसंधान छात्रों-फैक्ल्टी का आदान-प्रदान तथा संयुक्त सम्मेलन और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कराएंगे। इस एमओयू पर प्रोफेसर शुभिनी ए शराफ, निदेशक, नाईपर और प्रोफेसर अरविंद राजवंशी, कार्यकारी निदेशक, ने एम्स के कैंपस में हस्ताक्षर किए। दोनों संस्थानों ने औषधीय रिसर्च के निष्कर्षों को उद्योग जगत तक भी पहुंचाने का लक्ष्य रखा है ताकि भविष्य में आम लोगों को भी रिसर्च का लाभ मिल सके। इस एमओयू से छात्रों की अकादमिक और अनुसंधान के आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर तक पहुंच आसान बनेगी। प्रो शुभिनी ए शराफ , निदेशक नाईपर ने कहा हमारे अनुसंधान कार्यक्रमों का विस्तार हो रहा है। हम समयबद्ध तरीके से तीस परिणामों के लिए अग्रणी शोध पर ध्यान केंद्रित करेंगे। प्रोफेसर अरविंद राजवंशी ने कहा हम रिसर्च के लिए मिलकर काम करने के लिए तैयार हैं। एमओयू साझेदारी को मजबूत करेगा और सहयोग के लिए नए रास्ते भी बनाएगा।

एमओयू के तहत नाईपर और एम्स रिसर्च और शैक्षिक कार्यक्रमों, शिक्षण सामग्री और उनके शैक्षिक और अनुसंधान कार्यक्रमों से संबंधित जानकारी का आदान-प्रदान करने पर भी सहमत हुए हैं। नाईपर औषधीय विभाग, रसायन और उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में राष्ट्रीय महत्व का संस्थान है। वर्तमान में संस्थान सरोजनी नगर, लखनऊ स्थित अपने ट्रांजिट कैंपस से शिक्षा प्रदान कर रहा है। नाईपर फार्मेसी के क्षेत्र में अत्याधुनिक उपकरणों और प्रयोगशालाओं के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है। हाल ही में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए नाईपर ने देश में फार्मेसी श्रेणी में नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआइआरएफ) 2023 में 14वां स्थान हासिल किया है। प्रो. शुभिनी ए. शराफ ने कहा कि हमारे अनुसंधान कार्यक्रमों का विस्तार हो रहा है। हम समयबद्ध तरीके से तीस परिणामों के लिए अग्रणी शोध पर ध्यान केंद्रित करेंगे। प्रो. अरविंद राजवंशी ने कहा कि हम रिसर्च के लिए मिलकर काम करने के लिए तैयार हैं। समझौता ज्ञापन साझेदारी को मजबूत करेगा और सहयोग के लिए नए रास्ते भी बनाएगा। एमओयू के तहत नाईपर और एम्स रिसर्च और शैक्षिक कार्यक्रमों, शिक्षण सामग्री और उनके शैक्षिक और अनुसंधान कार्यक्रमों से संबंधित जानकारी का आदान-प्रदान करने पर भी सहमत हुए हैं।

नाईपर रायबरेली औषधीय विभाग, रसायन और उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में राष्ट्रीय महत्व का संस्थान है। वर्तमान में संस्थान सरोजनी नगर, लखनऊ (यूपी) स्थित अपने ट्रांजिट कैंपस से शिक्षा प्रदान कर रहा है। नाईपर फार्मेसी के क्षेत्र में अत्याधुनिक उपकरणों और प्रयोगशालाओं के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है। हाल ही में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए नाईपर ने देश में फार्मेसी श्रेणी में नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआइआरएफ) 2023 में 14वां स्थान हासिल किया है।

नाईपर व एम्स रायबरेली साथ करेंगे रिसर्च

लखनऊ। बिजनौर रोड स्थित राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर-रायबरेली) ने सोमवार को एम्स रायबरेली के साथ एक एमओयू साइन किया। एमओयू पर निदेशक प्रो. शुभिनी ए. शराफ और एम्स-रायबरेर के प्रो. अरविंद राजवंशी ने एम्स के कैंपस में हस्ताक्षर किए। इससे दोनों संस्थान एक साथ रिसर्च कर सकेंगे।

हिंदुस्तान, लखनऊ संस्करण